ज्ञानदीप

अंक 106

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 26123436 रेलवे : 62731
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, मो 7420041134 रेलवे : 62101, 62158
फैक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 27 अक्तूबर–दिसम्बर 2024

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. इरिसेन दिवस समारोह
2. प्रशिक्षित अधिकारियों का पदकों द्वारा सम्मान
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 162वीं बैठक
4. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार
5. जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन
6. डॉ. महंतेश हिरेमठ का इरिसेन अधिकारियों को संबोधन
7. इरिसेन द्वारा प्रकाशित तकनीकी पुस्तकें
8. स्वागत एवं विदाई
9. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

ज्ञानदीप 25 वर्ष रजत जयंती वर्ष 1997-2022

1. इरिसेन दिवस समारोह



दिनांक 14 एवं 15 नवंबर, 2024 को 'इरिसेन दिवस' हर्षोल्हास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर श्री नवीन गुलाटी, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड (भारत सरकार के पदेन सचिव) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री नवीन गुलाटी, श्री बी. के. गुप्ता अपर सदस्य (भूमि एवं अधिग्रहण) रेलवे बोर्ड, श्री चंद्र प्रकाश गुप्ता अपर सदस्य (कार्य) रेलवे बोर्ड एवं श्री सुनील कुमार झा, महानिदेशक इरिसेन ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। इस अवसर पर गणमान्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। श्री राजेश कुमार शेखावत संकाय अध्यक्ष ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री सुनील कुमार झा महानिदेशक इरिसेन ने उपस्थित गणमान्यों का स्वागत करते हुए आधुनिक रेल तकनीकी ज्ञान का प्रचार–प्रसार करने के लिए इरिसेन द्वारा उठाए गए कदमों को विस्तार से बताया। भा.रे.इंजी.सेवा 1998 बैच के अधिकारियों की 25 वर्ष की सफल रेल सेवा की सराहना करते हुए बधाइयां दी एवं समेकित पाठयक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरस्कृत अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दी।

श्री नवीन गुलाटी, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड ने अपने संबोधन में वर्ष 1998 बैच के अधिकारियों को 25 वर्षों की रेल सेवा पूरी करने पर शुभकामनाएं दी और कहा कि आपने 25 वर्षों पड़ाव पूरा किया है, आगे 10–12 वर्षों की सेवा शेष है यह आपके जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण फेज है, गहरी जानकारी, अनुभव, विजन को पूरा करने का यही समय है,आप सभी इस अवसर का बहुत अच्छा लाभ उठाएंगे और रेल के विकास और अधीनस्थ अधिकारियों के ज्ञानवर्धन करने में अपना अधिकाधिक सहयोग देंगे।



इस अवसर पर इरिसेन द्वारा प्रकाशित 'फुट ओवर ब्रिजेस इन रेलवेज', 'कंक्रीट टेक्नॉलॉजी', 'कन्स्ट्रक्शन, इन्सपेक्शन, एसेसमेंट एण्ड रिपेअर्स ऑफ आर्च ब्रिजेस', 'संपूर्ण रेल भूमि प्रबंधन' और 'एच.एस.एफ.जी. (उच्च शक्ति घर्षण पकड़) बोल्ट के उपयोग एवं रखरखाव' आदि विभिन्न विषयों पर प्रकाशित पुस्तकों सहित 'इरिसेन जर्नल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग' का भी विमोचन किया गया।

संरक्षक
सुनील कुमार झा
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल – 1

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

समारोह के सत्र में 'भारतीय रेल पर अवसंरचना के निर्माण एवं अनुरक्षण कार्यों में चुनौतियां' और 'त्वरित परियोजना सुपुर्दगी के लिए ठेका प्रणाली की नवीनतम प्रक्रियाएं' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। वर्तमान परिदृश्य में उपरोक्त विषय प्रासंगिक हैं। सेमिनार में उपरोक्त विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया और बहुमूल्य अनुशंसाएं प्रस्तुत की गई। इस सेमिनार का सूत्र संचालन श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक पुल-1 ने किया।



समारोह के दौरान 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले वर्ष 1998 बैच के भा.रे. इंजी.सेवा के अधिकारियों को सम्मानित किया गया तथा पिछले वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को भी पदक एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान से सेवानिवृत्त जेष्ठ कर्मचारियों को जेष्ठता और संस्थान के प्रति समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का समापन रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।

2. इरिसेन में प्रशिक्षित अधिकारियों का पदकों द्वारा सम्मान

हर वर्ष संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड के कर-कमलों से समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पदक एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है।

IPWE (I) स्वर्ण पदक एवं रजत पदक – समेकित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को प्रदान किया जाता है। यह पदक IPWE (I) इरिसेन पुणे द्वारा स्थापित किए गए हैं।

67वें इरिसेन दिवस पर विभिन्न समेकित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के दौरान प्रथम / द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को श्री नवीन गुलाटी, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे बोर्ड ने निम्नानुसार पदक प्रदान किए।

सत्र संख्या 23105 के श्री हेमंता कुमार महापात्रा, ADEN/II/TATA/SER को स्वर्ण पदक एवं श्री महेश्वर कुमार, ADEN/W/KGP/SER को रजत पदक

सत्र संख्या 24101 के श्री अमोद कुमार सिन्हा, AXEN (C)/SWD/WR को स्वर्ण पदक एवं श्री दिलीप कुमार, AEN/BR-II/CCG/WR को रजत पदक

सत्र संख्या 24102 के श्री हिमांशु कुमार, ADEN/HQ/APDJ/NFR को स्वर्ण पदक एवं श्री राजेश कुमार वर्मा, ADEN/I/TATA/SER को रजत पदक

सत्र संख्या 24103 के श्री सुरे जगदीश, ADEN/VM/SR को स्वर्ण पदक एवं श्री सुधीर बाबू जहुदुला, AXEN /TK/HQ/SWR को रजत पदक



3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 162वीं बैठक

संस्थान में दिनांक 03 दिसंबर, 2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 162वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के प्रारंभ में अध्यक्ष श्री एस.के.झा, महानिदेशक महोदय के कर-कमलों से हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत कंप्यूटर पर हिंदी टंकण परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाली कु. श्रद्धा तांबे, कनिष्ठ तकनीकी सहायक को नकद पुरस्कार प्रदान किया गया और शुभकामनाएं दी।



महानिदेशक महोदय ने संस्थान पर राजभाषा की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान पर तकनीकी विषयों में हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन के कार्य किए जा रहे हैं। इरिसेन दिवस 2024 के अवसर पर संस्थान द्वारा 'एचएसएफजी बोल्ट के उपयोग एवं रखरखाव' और 'संपूर्ण रेल भूमि प्रबंधन' आदि हिंदी में प्रकाशित 02 तकनीकी पुस्तकों का विमोचन किया गया। आपने आगे कहा कि संस्थान तकनीकी होने के बावजूद प्रशिक्षण कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग किया जाता है, जिससे राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार में बल अवश्य मिलेगा।



श्री शरद कुमार अग्रवाल उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल- 1 ने बैठक के सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा संस्थान की राजभाषा के प्रयोग-प्रसार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान पर तकनीकी विषयों में हिंदी भाषा का प्रचुरता से उपयोग किया जा रहा है, हमें राजभाषा हिंदी में तकनीकी पुस्तक लेखन के साथ-साथ गैर-तकनीकी कार्यों तथा सरकारी कामकाज में भी राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने पर जोर देना चाहिए, हमें आशा है कि हमारे सामूहिक एवं सार्थक प्रयासों से वांछित परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे।

4. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार



दिनांक 17 एवं 18 अक्तूबर, 2024 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) सेमिनार का आयोजन किया गया सेमिनार की अध्यक्षता श्री बी. के. गुप्ता अपर सदस्य (सिविल इंजी.) रेलवे बोर्ड द्वारा की गई। सेमिनार में श्री बी. के. गुप्ता अपर सदस्य (सिविल इंजी.), श्री सी. पी. गुप्ता अपर सदस्य (कार्य), श्री दिनेश कुमार अपर सदस्य (भूमि एवं अधिग्रहण), श्री एन. सी. करमाली प्रधान कार्यकारी निदेशक (गति शक्ति), श्री अजीत कुमार झा कार्यकारी निदेशक / सिविल इंजीनियरिंग (सामान्य) आदि रेलवे बोर्ड एवं श्री कमल तलरेजा कार्यकारी निदेशक रेलपथ 1, श्री वी. के. पांडेय कार्यकारी निदेशक

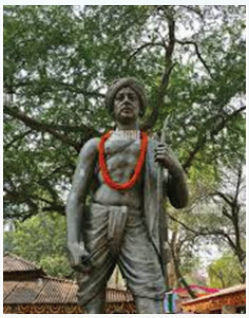
(ब्रिज एण्ड स्ट्रक्चर–II), श्री मोहित वर्मा निदेशक (ब्रिज एण्ड स्ट्रक्चर–I) आदि अ.अ.मा.सं. (RDSO) के अधिकारी और क्षेत्रीय रेलों के प्रधान मुख्य इंजीनियरों तथा संस्थान के महानिदेशक श्री एस. के. झा सहित संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। श्री राजेश कुमार शेखावत संकाय अध्यक्ष ने सेमिनार का संचालन किया।

श्री एस. के. झा, महानिदेशक/इरिसेन ने उद्घाटन भाषण में सेमिनार के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि इस सेमिनार में किए जाने वाले विचार–विमर्शों से भारतीय रेलवे के निर्माण संगठन के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए समाधान पाने में सहायता मिलेगी। आपने कहा कि रेलवे बोर्ड द्वारा प्रस्तुत सुझाव बहुत ही प्रासंगिक हैं, जिस पर विचार–विमर्श किया जाना चाहिए और कहा कि परियोजनाओं का समय पर निष्पादन हेतु उन्नत ज्ञान प्राप्त करने के लिए संस्थान द्वारा आयोजित विविध प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में पर्याप्त संख्या में अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को नामित किया जाना आवश्यक है।

श्री नवीन गुलाटी, सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर), रेलवे बोर्ड ने वीडियो कॉन्फरन्सिंग द्वारा साइट पर संरक्षा के उपाय, एटी वेल्ड को एफबी वेल्ड में बदलना, परियोजना के दौरान आने वाली समस्याओं से बचने के लिए उचित ध्यान देने और निर्माण संगठन द्वारा निष्पादित कार्यों की गुणवत्ता में सुधार हेतु सुझाव दिए।

सेमिनार में कार्यसूची की विभिन्न मदों पर जैसे एफएलएस एण्ड डीपीआर, प्राक्कलनों की मंजूरी, सामग्री संशोधन, निर्माण कार्य, स्थापना तथा अन्य संबंधित मामलो का पर्यवेक्षण. निविदाएं एवं ठेके (ईपीसी के अलावा), ईपीसी ठेके, आईआरडब्ल्यूसीएमएस, ई–डीएएस एवं अन्य सॉफ्टवेयर से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण तकनीकी और अन्य विविध मामले आदि पर विस्तार से चर्चा की गई एवं प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। क्षेत्रीय रेलों के निर्माण संगठनों के सभी कार्य–पहलुओं के कुल 115 कार्यसूची की मदों को शामिल किया गया। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा के लिए भेजे गए।

5. जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन



भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के योगदान को सम्मानित करने के क्रम में प्रतिवर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। यह दिन एक सम्मानित जनजातीय नेता और स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती का प्रतीक है। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार संस्थान पर दिनांक 18 नवंबर, 2024 को 'जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया गया। महानिदेशक महोदय द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन परिचय पर एक वीडिओ प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी संकाय सदस्य, कर्मचारी गण और प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित थे।



6. डॉ. महंतेश हिरेमठ का इरिसेन अधिकारियों को संबोधन

दिनांक 31 दिसंबर,2024 को डॉ. महंतेश हिरेमठ ने संस्थान के महानिदेशक श्री एस.के.झा से भेंट की। संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ चर्चा बैठक में सभी उपस्थित अधिकारियों को संबोधित किया।



आप 1977 बैच के भा.रे.इंजी.सेवा के अधिकारी हैं। आपने दक्षिण–पूर्व रेल में सहायक इंजीनियर तथा मंडल इंजीनियर के रूप में कार्य किया। वर्ष 1982 में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग में एम.एस. और पी.एच.डी. की और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से सिस्टम इंजीनियरिंग में सर्टिफिकेट पूरा करके अपनी विशेषज्ञता को विकसित किया।

डॉ. महंतेश हिरेमठ को अंतरिक्ष, ऊर्जा, परिवहन तथा इन्फ्रास्ट्रक्चरर से जुड़े विभिन्न उद्योगों में 30 वर्षों से अधिक अवधि का अनुभव रहा है। वे विश्व के उन चुनिंदा इंजीनियरों में से हैं, जिन्हें चार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जटिल प्रणालियां डिज़ाइन करने तथा उनका विश्लेषण करने की विशेषज्ञता प्राप्त है; जैसे गहरे भूमिगत सामरिक पेट्रोलियम भंडार, अपतटीय तेल प्लेटफ़ॉर्म, ऊंची इमारतें और उच्च उड़ान वाले भू–समकालिक उपग्रह आदि। उन्होंने एससी सोल्यूशन्स, स्पिनलॉन्च, मैक्सार टेक्नोलॉजीज् (पूर्व में एसएसएल), एआरईएस कॉर्पोरेशन, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन और स्टेलर सोल्यूशन्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में प्रमुख पदों पर कार्य किया।

वर्ष 2013–14 से, आपने कैपिटल हिल में अमेरिकी हाउस के प्रतिनिधियों की विज्ञान, अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी समिति के तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्य किया।

वर्ष 2021–22 में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ मैकेनिकल इंजीनियर्स (ASME) के 140वें अध्यक्ष के रूप में कार्य करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, इस प्रतिष्ठित पद को धारण करने वाले एवं गौरवान्वित करने वाले पहले एशियाई और भारतीय रहे हैं। वे अनेकों बार प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के सम्मानित वक्ता एवं सम्मेलन सदस्य रह चुके हैं।

डॉ. हिरेमठ की उपलब्धियों को वर्ष 2023 में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग डिस्टिंग्विश्ड एलुमनी अवार्ड से सम्मानित किया गया तथा वर्तमान में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ मैकेनिकल इंजीनियर्स (ASME) के सदस्य हैं। डॉ. हिरेमठ सांता क्लारा यूनिवर्सिटी, कैलिफ़ोर्निया के यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग में संकाय सदस्य के रूप में कार्यरत हैं तथा वे वाइब्रंट सिलिकॉन वैली इको सिस्टम के लिए स्टार्टअप को परामर्श एवं मार्गदर्शन भी देते हैं।

7. इरिसेन द्वारा प्रकाशित तकनीकी अंग्रेजी पुस्तकें

1 Bridge Bearings
2 Bridge Planning Including Hydrological Investigation
3 Compendium of Judicial Verdicts in Arbitration Cases
4 Compendium of Schedule of Inspections Check Lists for Inspection
5 Derailment Investigation
6 Diary on Track Machine
7 Fundamental Building Orientation Green Building Features
8 Geotechnical Investigation

9 Geotechnical Testing For Earthwork in Railway Projects
10 Hand book on Land Management
11 Hand book of Material Testing
12 High Speed Railway - Construction Maintenance
13 Layout Calculations
14 Long Welded Rails
15 Mechanised Tamping Stabilization
16 Mechanised Track Laying
17 Monograph on Bo-Bo Bogie
18 Monograph on Casnub Bogie
19 Monograph on FIAT Bogie (LHB Coaches)
20 Monograph on ICF ALL Coil Coaches
21 Monograph on WAP7/WAG9 Locomotives
22 Non Destructive Testing of Bridges
23 Rail Grinding
24 Rail Steel Stresses
25 Railway Curve
26 Rain Water Harvesting
27 River Training Protection Works for Railway Bridges
28 Signaling for Track Engineers
29 Track Geometry Management
30 Tunnels
31 Turnout
32 Under Water Inspection of Bridges
33 USFD Testing of Rails and Welds
34 Welding Techniques
35 Steel Structure Fabrication
36 Masonry Concrete
37 Drawing Estimate
38 Plumbing Pipeline
39 Carpentry Woodwork

8. स्वागत एवं विदाई



1990 बैच के भारतीय रेलवे इंजीनियरी सेवा के अधिकारी **श्री विनोद कुमार** ने दि. 23 अक्तूबर, 2024 को संस्थान के अपर महानिदेशक / इरिसेन का पदभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने के पूर्व आप मुख्य इंजीनियर (योजना), पश्चिम रेल, चर्चगेट मुंबई में कार्यरत थे। आपने रेल सेवा की शुरुआत सहायक मंडल इंजीनियर कुर्डुवाड़ी सोलापुर मंडल मध्य रेलवे से की। तत्पश्चात रेलवे के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। आपने कार्यकारी इंजीनियर डिजाइन एमटीपी ऑर्गनाइजेशन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई, कार्यकारी इंजीनियर विशेष कार्य जबलपुर, कार्यकारी इंजीनियर ट्रैक मशीन झांसी, उप मुख्य इंजीनियर (नि./डिजा.) मध्य रेल, उप मुख्य इंजीनियर (नि.) दादर मध्य रेल, उप मुख्य संरक्षा अधिकारी छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई मध्य रेल, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक एमआरवीसी मुंबई (प्रतिनियुक्ति पर), उप मुख्य इंजीनियर कार्य (नि.) मुख्या. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई, मुख्य योजना एवं डिजाइन इंजीनियर बिलासपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेल, समूह महाप्रबंधक भारतीय बंदरगाह रेल एवं रोपवे निगम लिमिटेड (एमओपीएसडब्ल्यू) प्रतिनियुक्ति पर, मुख्य इंजीनियर (सा.) पश्चिम रेल इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री प्रकाश उपाध्याय, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ II ने दि. 18 नवंबर, 2024 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) पुणे मंडल मध्य रेल के पद पर कार्यरत थे। श्री उपाध्याय भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1999 बैच के अधिकारी हैं। आपने पूर्व में मंडल इंजीनियर (ओपन लाइन) इटावा, कार्यकारी इंजीनियर ट्रैक मशीन झांसी, मंडल इंजीनियर झांसी, वरिष्ठ कार्यकारी इंजीनियर झांसी, उप मुख्य इंजीनियर झांसी, प्राचार्य आईआरटीएमटीसी इलाहाबाद, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर आगरा और प्राध्यापक रेलपथ मशीन एवं संकाय अध्यक्ष एसएसटीडब्ल्यू इरिसेन पुणे इत्यादि पदों पर कार्य किया है। आपने रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत सहायक मंडल इंजीनियर इटावा उत्तर मध्य रेल से की। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री अनिल कालरा**, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ –1 का स्थानांतरण पश्चिम मध्य रेल में मंडल रेल प्रबंधक/कोटा के पद पर हुआ है। आप दिनांक 30 दिसंबर,2024 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री सुप्रज्ञ कुमार**, वरिष्ठ अनुदेशक, रेलपथ–7 का स्थानांतरण समूह 'ख' सेवा में सहायक मंडल इंजीनियर / इगतपुरी के पद पर मध्य रेल में हुआ है। आप दिनांक 27 नवम्बर, 2024 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए । संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



श्री आर के सिंह, वरिष्ठ अनुदेशक / सिगनल एवं दूरसंचार की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

9.समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र संख्या 24103

प्रथम



श्री सुरे जगदीश,
स.मं.इंजी./विल्लुपुरम जं.
दक्षिण रेल

द्वितीय



श्री सुधीर बाबू जव्हदुला,
प्र.मु.इंजी. के निजी सचिव, दक्षिण पश्चिम रेल

तृतीय



श्री सतीश कुमार सिंह,
स.मं.इंजी./सेटलमेंट/आद्रा, दक्षिण पूर्व रेल

संतोष सबसे बड़ा धन है, वफ़ादारी सबसे बड़ा संबंध है और स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। – गौतम बुद्ध

श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल 1 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–। द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।